

संपादकीय

दुनिया की फिक्र

वैश्विक पर्यावरण संबंधी गंभीर चुनौतियों के मुकाबले के लिये हमारे प्रयासों की स्थिति किंतनी चिंताजनक है, इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज यानी आईपीसीसी की हालिया रिपोर्ट उसे उजागर करती है। दरअसल, संस्थान के छठे आकलन की दूसरी रिपोर्ट पर्यावरणीय चिंताओं का सटीकता के साथ खुलासा करती है, जो हाल के दिनों में लगातार विस्तार पा रही है। यह रिपोर्ट खुलासा करती है कि पूरी दुनिया के सामने मौजूदा ग्लोबल वार्मिंग से मुकाबले के लिये किये जा रहे प्रयास वक्त की कसौटी पर खरे नहीं उतर रहे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि क्लाइमेट चेंज के मद्देनजर जो कदम वैश्विक स्तर पर उठाये जाने चाहिए थे, वे नहीं उठाये जा रहे हैं। वास्तव में यह जितनी बड़ी चुनौती है, उसके मुकाबले हमारे प्रयास नाकार्फा हैं। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि ग्लोबल वार्मिंग की चुनौती के मुकाबले के लिये दुनिया में जो वैचारिक साध्य बना है, उसमें आईपीसीसी के अनुमानों व संस्तुतियों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है, जिसकी भावभूमि पर पेरिस जलवायु समझौते जैसी महत्वपूर्ण पहल हो सकी है। आईपीसीसी के आकलन से ही यह बात स्पष्ट हुई है कि बदलते वक्त के साथ चुनौती और जटिल होती जा रही है। पहले कहा जा रहा था कि इंटरड्रियल क्रांति से पूर्व की स्थिति के मुकाबले तापमान वृद्धि को दो फीसदी तक ही सीमित किया जाये। लेकिन बदलते हालात व ग्लोबल वार्मिंग के घातक प्रभावों को देखते हुए अब कहा जा रहा है कि इसे डेढ़ फीसदी तक सीमित रखा जाये। तभी हम मानव जीवन व खाद्य श्रृंखला को बचा पायेंगे। साथ ही निष्कर्ष यह भी है कि जिस गति से हमें इस चुनौती के मुकाबले के लिये कदम उठाने चाहिए थे, वह बहुत धीमी है, जिसके चलते जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में बड़ी कामयाबी मिलना संदिग्ध नजर आता है। ऐसे में खेती व उद्योग जगत को नयी चुनौतियों के अनुरूप ढालना होगा। उसके अनुरूप ही नीतियां तैयार करनी होंगी। हालांकि, करीब दो साल की कोरोना महामारी की मार ने ग्लोबल वार्मिंग के घातक प्रभाव के खिलाफ लड़ाई को कमजोर किया है क्योंकि इस संकट में पहली प्राथमिकता लोगों को महामारी से बचाने की थी। इसके बावजूद कई विकसित देशों में ऐसी फसल उगाने के लिये शोध-अनुसंधान किये जा रहे हैं, जिससे उन किस्मों का पता लगाया जा सके जो कम पानी, अतिवृष्टि और उच्च तापमान से कम प्रभावित होती हैं। निस्संदेह, क्लाइमेट चेंज के प्रभावों के चलते पूरी दुनिया में खाद्य श्रृंखला के टूटने का खतरा पैदा हो गया है। खाद्यान्न की पैदावार में गिरावट आ रही है, जिसके चलते जीवन रक्षा के लिये बड़े पैमाने पर पलायन का खतरा पैदा हो गया है। सही मायनों में अब इस बात पर जोर देने की जरूरत है कि बदलते मौसम के अनुरूप हम जीवन को कैसे ढालते हैं। यदि हम अब भी न जागो तो बहुत देर हो जायेगी। हाल ही के दिनों में पूरी दुनिया में अतिवृष्टि, अनावृष्टि, सूखे, बाढ़ व तूफानों की आवृत्ति बढ़ी है, जिसके चलते बड़े आयुष्म संकट की आघात महसूस की जा रही है। इसका नकारात्मक असर फसलों की पैदावार पर निश्चित रूप से पड़ेगा। ऐसे में जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम करने के लिये नई जीवनशैली विकसित करने की जरूरत होगी। यदि ऐसा नहीं किया गया तो हमें इसकी बड़ी कीमत चुकानी होगी। सही मायनों में आईपीसीसी की हालिया रिपोर्ट हमारी आंख खोलने वाली है जो बताती है कि वक्त आ गया है कि हम ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभावों को कम करने के लिये इसके अनुरूप जीवन ढालने की तरफ बढ़ें। यह समस्या का वैज्ञानिक आधार पर विश्लेषण करने की जरूरत भी बताती है। इसके साथ ही पर्यावरण प्रदूषण जैसी समस्याओं के प्रति भी हमें गंभीर होने की जरूरत है, जिसके चलते हर साल लाखों जानें चली जाती हैं, जिसके मूल में लगातार बिगड़ते पर्यावरण की भी बड़ी भूमिका है। सीएसई की नई रिपोर्ट बताती है कि पिछले दो दशक में हवा में सूक्ष्म कणों की वजह से होने वाली मौतों की संख्या ढाई गुना हुई है जो हमारी चिंता का विषय होना चाहिए।

जमशेदपुर ने ओड़िसा को 5-1 से रौंद डाला



बैम्बोलिना लीडर जमशेदपुर एफसी ने लगातार छठी जीत से हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2021-22 की अंक तालिका में अपने शीर्ष स्थान को मजबूती दे दी है। जमशेदपुर ने शुक्रवार को बैम्बोलिना स्थित जीएमसी एथलेटिक स्टेडियम में खेले गए एकतरफा लीग मुकाबले में ओड़िसा एफसी को 5-1 से रौंद डाला। अपनी 12वीं जीत के बाद जमशेदपुर इस सीजन में 40 अंक हासिल करने वाली पहली टीम बन गई है। कोच ओवेन कोयल की टीम ने 19 मैचों में 12 जीते हैं और चार ड्रा खेले हैं। इस तरह जमशेदपुर ने शानदार फॉर्म जारी रखते हुए पिछले 10 मैचों में से 9 जीत लिए हैं। वहीं, अपनी नौवीं हार के बाद ओड़िसा ने तालिका में सातवें स्थान पर रह सीजन की समाप्ति की। स्पेनिश

बोपन्ना और दिविज शरण ने युगल मैच जीता, भारत को 3-0 की अपराजेय बढ़त

रोहन बोपन्ना और दिविज शरण की जोड़ी ने फ्रेडरिक नीलसन और माइकल टोरपेगार्ड की जोड़ी को तीन सेटों के कड़े संघर्ष में शनिवार को यहां दिल्ली जिमखाना क्लब के ग्रास कोर्ट पर 6-7, 6-4, 7-6 से हराकर भारत को डेनमार्क के खिलाफ डेविस कप विश्व युग-1 के प्लेऑफ मुकाबले में 3-0 की अपराजेय बढ़त दिला दी। रामकुमार रामनाथन और युकी भाब्वरी ने कल पहले दो एकल मैच जीतकर भारत को 2-0 से आगे किया था। बोपन्ना और शरण को आज युगल मैच जीतने के लिए अपने अनुभव का पूरा इस्तेमाल करना पड़ा। भारतीय जोड़ी ने पहला सेट टाई ब्रेक में गंवाया लेकिन फिर वापसी करते हुए दूसरा सेट 6-4 से जीतकर मैच को निर्णायक सेट में पहुंचा दिया। निर्णायक सेट को बोपन्ना और शरण ने टाई ब्रेक में जीता। भारतीय जोड़ी ने टाई ब्रेक 7-4 से जीतकर मैच को एक घंटे 58 मिनट में समाप्त कर दिया।

से आगे कर दिया। 71वें मिनट में स्थानपन्न स्ट्राइकर जॉर्डन मेरे के गोल से जमशेदपुर की बढ़त 4-1 की हो गई। 87वें मिनट में स्थानपन्न स्ट्राइकर इशान पंडिता ने स्कोर 5-1 कर दिया। दाहिनी तरफ से लालदिनलिन आना रेनथली के मिले क्रॉस पर इशान ने राइट फुट से लगाकर गोल किया। उन्होंने बतौर स्थानपन्न अपने ही रिकॉर्ड को बेहतर करते हुए सात गोल कर दिए हैं। आज के परिणाम के बाद इस सीजन में दोनों टीमों के बीच मुकाबलों में दबदबा जमशेदपुर का रहा। क्योंकि पिछली बार सीजन के पहले चरण में जब वे दोनों टीमों भिड़ी थीं, तो जमशेदपुर ने 4-0 से मैच जीता था।

मौद्रिक नीति को प्रभावी बनाने में संवाद की बड़ी भूमिका : आरबीआई गवर्नर दास

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि एक प्रभावकारी मौद्रिक नीति बनाने में संवाद की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि मौद्रिक नीति में प्रभावी बनाने में निर्णय क्षमता, समय और संवाद के स्वरूप की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वह नेशनल डिफेंस कॉलेज, नयी दिल्ली में व्याख्यान दे रहे थे। श्री दास ने अर्थव्यवस्थाओं और बाजारों में निरंतर विकास के साथ मौद्रिक नीति का संचालन काफी बदला है। अब नीति-निर्माताओं को इस बात की पहले से अधिक जानकारी है कि एक जटिल आर्थिक प्रणाली में आर्थिक इकाइयों या एजेंट्स एक-दूसरे से किस तरह संवाद और व्यवहार करते हैं।



उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर मौद्रिक नीति अब निर्देशात्मक और विवेकाधीन निर्णय की बजाए, कड़े नियमों पर आधारित हो गयी है। इस समय सहमत इस बात पर बनी है कि मौद्रिक नीति में नियमों और विवेक का व्यावहारिक मिश्रण होना चाहिए। श्री दास ने कहा, इस प्रक्रिया में संवाद के स्वरूप का महत्व बढ़ गया है, लेकिन यह दोहरी तलवार है बहुत ज्यादा संवाद बाजार में भ्रम पैदा कर सकता है और बहुत कम संवाद किया जाए तो केंद्रीय बैंक की नीतिगत मंशा को लेकर अटकलबाजियां चल पड़ती हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंक को संवाद के मामले में बहुत सावधानी बरतनी पड़ती है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि मौद्रिक नीति विभिन्न अपेक्षाओं के बीच तालमेल बिठाने की कला है। रिजर्व बैंक को हर समय बाजार की अपेक्षाओं को ढालना और संभालना होता है। इसके लिए वह ना केवल कार्रवाई और फैसले करता है बल्कि संवाद के माध्यम से अपेक्षाओं को भी पैना करते रहना पड़ता है ताकि समाज पर उसका अनुकूल प्रभाव बना रहे। उन्होंने कहा, यह काम निरंतर चलता रहता है और केंद्रीय बैंक संवाद की रणनीति में धीरे-धीरे सुधार करते रहते हैं।

केनरा बैंक ने बांड से जुटाए और 1000 करोड़ रु.

नई दिल्ली। केनरा बैंक ने 8.07 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर (कूपन दर) पर बांड जारी कर के 1000 रुपये जुटाए हैं। बैंक की ओर से जारी एक विज्ञापन में कहा गया है कि ये बांड बासेल3 नियमों के अनुसार टीयर-1 बांड हैं जो अनंत अवधि के बांड होते हैं। बैंक ने कहा है कि इस बांड निर्माण को बाजार में जबरदस्त समर्थन मिला। बैंक ने मूलतः 250 करोड़ रुपये के बांड जारी करने की योजना बनायी थी और अधिक आवेदन मिलने में 750 रुपये के बांड और निर्मित करने का विकल्प रखा था। बैंक ने कहा है कि उसे कुल 3,133 करोड़ रुपये की बांड के लिए बोलियां प्राप्त हुई थीं। इन बांडों को क्रिसिल रेटिंस और इंडिया रेटिंस एंड रिसर्च लिमिटेड द्वारा एए प्लस रेटिंग दी गई है। वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए बैंक द्वारा अतिरिक्त टियर एक बांड निर्माण की यह तीसरी कड़ी है। चालू वित्त वर्ष में इससे पहले बेसल3 नियमों के अनुरूप दो बार में अतिरिक्त टियर। और टीयर2 बांड से 4,000 करोड़ रुपये और 2,500 करोड़ रुपये जुटाए।

ऑस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर शेन वॉर्न के निधन पर दिग्गजों ने जताया शोक



नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर शेन वॉर्न के निधन पर कई दिग्गजों ने दुख जताया है। भारत के अनिल कुंबले, वसीम जाफर और हरभजन सिंह ने वॉर्न के निधन पर गहरा शोक जाहिर किया है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण ने लिखा इस पर यकीन करना मुश्किल है। पूरी तरह से स्वस्थ हूँ, एक दिग्गज और दुनिया के सबसे महान खिलाड़ियों में से एक, आप बहुत जल्दी चले गए। उनके परिवार और दोस्तों के साथ संवेदनाएं।

बीसीसीआई सचिव जय शाह ने भी शेन वॉर्न के निधन पर शोक जताते हुए लिखा दिग्गज स्पिनर शेन वॉर्न की मौत से पूरी तरह स्तब्ध और दुखी हूँ। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार दोस्त और चाहने वालों के साथ हैं। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड की तरफ से भी शेन वॉर्न को श्रद्धांजलि दी गई है। वॉर्न ने एशेज सीरीज में इंग्लैंड के खिलाफ काफी विकेट चटकाए थे। इंग्लैंड क्रिकेट ने लिखा क्रिकेट के महान खिलाड़ियों में से एक, एक दिग्गज, एक महान खिलाड़ी आपने क्रिकेट को बदल दिया। वॉर्न ड्र सहवाग ने ट्वीट करते हुए लिखा मैं विश्वास नहीं कर सकता। महान स्पिनर सुपरस्टार शेन वॉर्न नहीं रहे। दुनिया भर में उनके परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने शेन वॉर्न के निधन पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि यह अत्यंत दुखद है। हमारे खेल के एक दिग्गज और चैंपियन ने हमें छोड़ दिया है। अभी भी विश्वास नहीं हो रहा है।

दूसरे दिन का खेल समाप्त, श्रीलंका ने 4 विकेट पर बनाए 108 रन



नई दिल्ली। भारत और श्रीलंका के बीच मोहाली के पीसीए स्टेडियम में पहला टेस्ट मैच खेला जा रहा है। जानकारी के अनुसार दूसरे दिन भारत ने अपनी पहली पारी को 574 रन के स्कोर पर घोषित किया। रविंद्र जडेजा ने टीम की तरफ से सर्वाधिक 175 रन बनाए और नाबाद रहे। वहीं, ऋषभ पंत ने 96, रविचंद्रन अश्विन ने 61 और हनुमा विहारी ने 58 अर्धशतक लगाए। वहीं, श्रीलंका की

बंगलादेश के तेज गेंदबाजी कोच बने एलन डोनाल्ड



ढाका। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने एलन डोनाल्ड को बंगलादेश की पुरुष क्रिकेट टीम का तेज गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है। पूर्व दक्षिणी अफ्रीकी खिलाड़ी का यह अनुबंध अगले आईसीसी टी-20 विश्व कप तक चलेगा। डोनाल्ड, जिन्होंने 72 टेस्ट और 64 वनडे खेलें हैं, ओटिस गिब्सन का स्थान लेंगे, जो यॉर्कशायर में मुख्य कोच के रूप में शामिल हुए थे। डोनाल्ड ने 2007 में टीम के गेंदबाजी सलाहकार के रूप में काम किया है और वह वारविकशायर काउंटी क्रिकेट क्लब के साथ भी काम कर चुके हैं। इसके बाद उन्होंने 2010 में जिम्बाब्वे के साथ काम किया था और 2011 में आईसीसी क्रिकेट विश्व कप के दौरान न्यूजीलैंड के गेंदबाजी कोच बने।

डोनाल्ड ने एक बयान में कहा, मेरे लिए यह घोषणा करने के लिए बहुत खास दिन है कि मैं दक्षिण अफ्रीकी श्रृंखला की शुरुआत से ही बंगलादेश क्रिकेट टीम में शामिल हो जाऊंगा, जो ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी-20 विश्व कप तक चलेगी। मैं रसेल डोमिंगो के साथ भी बहुत करीब से काम कर रहा हूँ, जिन्हें मैं दक्षिण अफ्रीकी टीम में रहने के अपने दिनों से बहुत अच्छी तरह से जानता हूँ। मुझे पता है कि वह बंगलादेश टीम के साथ बहुत मेहनत कर रहे हैं और मैं बंगलादेश के तेज गेंदबाजों के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूँ। उन्होंने कहा, यहां युवा प्रतिभाशाली समूह है और मुझे पता है कि वे इस समय अफगानिस्तान के खिलाफ बहुत अच्छा कर रहे हैं। मैं सच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे मैच से पहले दक्षिण अफ्रीका में बंगलादेश टीम के साथ जुड़ने के लिए उत्सुक हूँ। उल्लेखनीय है कि बंगलादेश को तीन वनडे और दो टेस्ट मैचों के लिए दक्षिण अफ्रीका का दौरा करना है, जो 18 मार्च को शुरू होगा।

चार भाषाओं में रिलीज होगी कंगना की धाकड़



कंगना रनौत-स्टार धाकड़ चार भाषाओं- हिंदी, तमिल, तेलुगु और मलयालम में रिलीज होगी। जयललिता के जीवन पर आधारित थ्रिलर हिन्दी के बाद कंगना की यह दूसरी अखिल भारतीय फिल्म है। कंगना कहती हैं कि फिल्म को एक निश्चित पैमाने पर बनाया जाना था। भारत ने कभी भी इस पैमाने की महिला एक्शन एंटरटेनर नहीं देखी है। कहानी जितनी सर्वोपरि होती है, उसे अधिकतम लोगों तक पहुंचाना चाहिए और मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि धाकड़ कई भाषाओं में रिलीज हो रही है। मैं एजेंट अमि की रिलीज का भी इंतजार नहीं कर सकती हूँ। वह अपने रोष और शक्ति से सबका होश उड़ा देगी। धाकड़ एक महिला कलाकार के नेतृत्व वाली एक हाई ऑक्टेन स्पाई थ्रिलर है, यह फिल्म एक भव्य बजट पर बनाई गई है।

संजय दत्त की फिल्म घुड़चढ़ी से बॉलीवुड डेब्यू करेंगे पार्थ समथान



संजय दत्त ने मंगलवार को अपनी नई फिल्म घुड़चढ़ी का ऐलान किया है। इस फिल्म में उनके साथ रवीना टंडन नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग भी शुरू हो चुकी है। फिल्म को लेकर फैंस सोशल मीडिया पर संजय को बधाइयां दे रहे हैं। खास बात यह है कि इस फिल्म के जरिए टीवी अभिनेता पार्थ समथान बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले हैं। पार्थ ने सोशल मीडिया पर फिल्म से जुड़ने को लेकर अपनी खुशी जाहिर की है। अभिनेता पार्थ ने इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म का अनारंसेमेंट वीडियो शेयर किया है। उन्होंने अपने

आज का राशिफल

मेघ: खुशी से भरा अच्छा दिन है। आपकी लगन और मेहनत पर लोग गौर करेंगे और आज इसके चलते आपको कुछ वित्तीय लाभ मिल सकता है। बुध: आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। कई लोग आपकी खासी तारीफ कर सकते हैं। आपकी मनोकामनाएं दुआओं के जरिए पूरी होंगी और सौभाग्य आपकी तरफ आएगा- और साथ ही पिछले दिन की मेहनत भी रंग लाएगी। मिथुन: अपने ऊंचे आत्मविश्वास का आज सही इस्तेमाल करें। भाग्यदोष भर दिन के बावजूद आप फिर ऊर्जा और ताशारी पाने में कामयाब रहेंगे। आज अच्छा पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप पारंपरिक तौर पर निवेश करें। कर्क: आज के दिन आप बिना झंझट विराम कर सकेंगे। अपनी मांगपिशियों को आराम देने के लिए ऐल हो सके। आज आपको अपना धन खर्च करने की जरूरत नहीं पड़ेगी, क्योंकि घर का कोई बड़ा आज आपको धन दे सकता है। सिंह: अगर आप पर्याप्त आराम नहीं कर रहे हैं तो आप बहुत ज्यादा थकान महसूस करेंगे और आपको अतिरिक्त आराम की जरूरत होगी। अगर सफर कर रहे हैं तो अपने कीमती सामान का विशेष ध्यान रखें अगर आप ऐसा नहीं करते तो सामान के चोरी होने की संभावना है। कन्या: आपका ऊर्जा-स्तर उंचा रहेगा। आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। ऐसे काम करें जिससे आपको खुशी मिले, लेकिन दूसरों के मामलों में दखलअंदाजी से बचें। तुला: आज अपनी सेहत के विता करने की कतई जरूरत नहीं है। आपको आस-पास के लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे व सराहेंगे। दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है। वृश्चिक: भले ही आप उत्साह से लबरेज हों, फिर भी आज आप किसी ऐसे की कमी महसूस करेंगे जो आज आपके साथ नहीं है। प्राप्त हुआ धन आपकी उम्मीद के मुताबिक नहीं होगा। धनु: अपनी शारीरिक चुस्ती-फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। घर के जरूरी सामान पर धन खर्च करके आपको आर्थिक परेशानी तो आज जरूर होगी लेकिन इससे आप भविष्य की कई परेशानियों से बच जाएंगे। मकर: आपका व्यक्तित्व आज इन की तरह महकेगा और सबको आकर्षित करेगा। ऐसे मामलों में सावधानी की कमी आपको नुकसान पहुंचा सकती है। आज आपकी मुस्कान बेधमानी है, हंसी में वो खनक नहीं है, दिल धड़कने में आनंदमयी कर रहा है। कुंभ: खुद अपना इलाज करने से बचें, क्योंकि दवाई पर आपकी निभरता बढ़ने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। आज कोई लेनदार आपके दरवाजे पर आ सकता है और आपसे पैसे उधार मांग सकता है। मीन: आपका उदार स्वभाव आज आपको लिए कई खुराना पल लेकर आएगा। माता-पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में कामयाब रहेंगे। ००

ट्राय करें 'मसाला बिस्किट्स'

मीठे और नमकीन बिस्किट्स तो आपने बहुत खाए होंगे लेकिन क्या मसाला बिस्किट्स ट्राय किया है कभी। अगर नहीं तो यहां जानें इसकी रेसिपी। जिसे आप स्नैक्स के रूप में एंजॉय कर सकते हैं।



सामग्री : मेदा- 2 कप, मक्खन पिघला हुआ- 1/3 कप, चीनी- 4 टीस्पून, नमक- स्वादानुसार, हरी मिर्च बारीक कटी- 5-6, धनिया पत्ती बारीक कटी हुई- 3 टेबलस्पून, कुछ करी पत्ते, दही- 2-3 टेबलस्पून विधि : सबसे पहले चीनी को पीसकर उसका पाउडर बनाकर रख लें। अब मक्खन में चीनी मिलाकर उसे अच्छी तरह फेंटें। साथ ही दही भी डाल दें। इसके बाद इसमें मैदा, कटी हुई हरी मिर्च, धनिया पत्ती, करी पत्ता, नमक मिलाकर चम्मच की मदद से अच्छी तरह मिलाएं। फेंटते हुए आप नोटिस करेंगे कि बैटर दाने जैसा नजर आने लगेगा। इसी वक्त आपको बची हुई दही डालना है और इसकी सॉफ्ट आटा गूंथना है। इस आटे को 10 से 15

मिनट ढक्कर सेट होने के लिए रख दो तब तक अवन को 160 डिग्री पर 10 मिनट के लिए प्रीहीट होने के लिए रख दें। इसके बाद मैदे वाले मिक्सचर से छोटे-छोटे बॉल्स बनाएं। परफेक्ट शेप के लिए आप रोलिंग पिन का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। अब कुकीज कटर की मदद से इन्हें और बेहतर शेप दें। बेकिंग शीट को मक्खन से अच्छी तरह ग्रीस कर लें। इस पर ये कुकीज रखें थोड़ी-थोड़ी दूरी पर। 8 से 10 मिनट तक इन कुकीज को बैक करें या जब तक इनका कलर सुनहरा न हो जाए तब तक। अवन से निकालकर हल्का ठंडा होने दें। फिर सर्व करें। बाकी कुकीज को आप एयर टाइट डिब्बे में बंद कर कई हफ्तों तक एंजॉय कर सकते हैं।

शब्द सामर्थ्य- 4

बाएं से दाएं 1. लुढ़ी पर के बाल, दुइडी, ठोड़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. पह्रसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार। ऊपर से नीचे 1. जंगल में लगी आम, दावागि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दुर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनदार 9. रोषा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला, विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14. पृ. गुरुवंश, बहुत अच्छी युक्ति 15. पूर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला श्लोक जैसा पदार्थ।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 003 का हल

ख	म	खं	इं		
स	ह	ख	र	सा	त
क	हा	नी	न	क	च
त			स्व	ली	ई
क	या	म	त	क	फ
दी	दां	बा	चू	ह	वा
र	ह	ना	ल	त	खोर
वा		नौ	क	र	सा
भा	ईं	का	बा	द	ल

सू-दोक्-4

	7			1		3	
1	9				5		
		3				1	
		5					3
3				2		5	
				3			2
							7
	6		7		9		1

नियम 1. कुल 81 वर्ग हैं, जिसमें 9व्यां का एक खंड बनाया है। 2. हर खाली वर्ग में संख्या 9 के बीच का कोई एक अंक रखा जा सकता है। 3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम, काल और खंड में 1 से 9 तक के सभी क्रिमी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

सू-दोक् क्र.003 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6